

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 900
दिनांक 29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

दूध में मिलावट

900. श्री राहुल कस्वां:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या देश में दूध में मिलावट का विश्लेषण और पता लगाने के लिए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान द्वारा एक नई तकनीक विकसित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है
- (ख) क्या बाजार में मिलावटी दूध की उपलब्धता का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण/अध्ययन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) देश में दूध में मिलावट के कारण उत्पन्न होने वाले राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य जोखिम से निपटने में नई तकनीक किस हद तक सक्षम होगी और नई तकनीक की एकमुश्त और आवर्ती लागत कितनी है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, पिलानी (सीएसआईआर-सीईईआरआई) ने बताया है कि उसने दूध में मिलावट का पता लगाने के लिए पैटर्न पहचान तकनीक के साथ पेटेंट इलेक्ट्रोकेमिकल सिग्नचर आधारित प्रौद्योगिकी विकसित की है।

(ख): भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) पूरे देश में उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दिशा में, एफएसएसएआई राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों और अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 (एफएसएस) अधिनियम, 2006 और उसके तहत बनाए गए विनियमों के तहत निर्धारित गुणवत्ता और सुरक्षा मापदंडों और अन्य आवश्यकताओं के अनुपालन की जांच करने के लिए दूध सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों की नियमित निगरानी, निरीक्षण और यादृच्छिक नमूनाकरण करता है।

इसके अलावा, एफएसएसएआई ने वर्ष 2011, 2016, 2018, 2020, 2022 और 2023 में दूध और दूध उत्पादों के लिए अखिल भारतीय निगरानी की है। वर्ष 2018, 2020 और 2022 में एफएसएसएआई द्वारा की गई दूध निगरानी की रिपोर्ट सार्वजनिक डोमेन में www.fssai.gov.in/cms/national-surveys.php पर उपलब्ध है।

(ग): सीएसआईआर-सीईईआरआई ने नमक, डिटर्जेंट, कास्टिक सोडा, मेलामाइन, यूरिया, सोडियम बाइकार्बोनेट, खाद्य तेल, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, अमोनियम सल्फेट और कई अन्य मिलावटों का 10-15 सेकंड से भी कम समय में पता लगाने के लिए पास/फेल मोड में तकनीक विकसित की है। नवीनतम मॉडल के लिए सामग्री लागत का बिल लगभग 15,000 रुपये है। नमूनों के परीक्षण के लिए कोई आवर्ती लागत नहीं है और यह नमूने की सफाई के लिए पानी की खपत करता है।
